21 जनवरी, 2020 को मुंबई में टिकाऊ निर्माण के लिए उड़न राख और सी एंड डी उत्पादों का प्रयोग' पर कार्यशाला का आयोजन

21 जनवरी, 2020 को मुंबई में सेंटर फॉर फ्लाई ऐश रिसर्च एंड मैनेजमेंट (सी–एफएआरएम) और केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के सहयोग से 'टिकाऊ निर्माण के लिए उड़न राख और सी एंड डी उत्पादों का प्रयोग' विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में निर्माण अभिकरणों, आवासीय बोर्डो, सिडको, म्हाडा, एमएमआरडीए, नगर पालिकाओं और प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों आदि के प्रतिनिधियों ने भाग लिया । कई वरिष्ठ विशेषज्ञ अपनी समृद्ध विशेषज्ञता और अनुसंधान, क्षेत्र अनुप्रयोगों और केस अध्ययन के अनुभव को साझा करने के लिए आगे आए। नीति निर्माताओं और विनियामक निकाय अधिकारियों ने भी अपने अनुभव और दृष्टिकोण को साझा किया।

पर्यावरण के अनुकूल और लाभकारी तरीके से फ्लाई ऐश के उपयोग के साथ–साथ प्रसंस्करण और सी एंड डी कचरे के उपयोग करने हेतु प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए निरंतर आवश्यकता बनी रहती है। क्षेत्र के अनुभव और प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर विकास को ध्यान में रखते हुए वैधानिक प्रावधान और नियामक तंत्र भी विकसित करना जारी है। देश में फ्लाई ऐश का उपयोग 1: के अल्प स्तर से बढकर लगभग 66: के स्तर तक पहुँच गया है, इसे 100: के स्तर पर ले जाने की आवश्यकता है। उच्चतर उपयोग के लिए प्रौद्योगिकियों और वैधानिक प्रावधानों में पिछले कुछ दो वर्षों में महत्वपूर्ण विकास हुए हैं। इसी प्रकार, सतत विकास के लिए सी एंड डी कचरे के पुनः उपयोग और प्रसंस्करण को अधिकतम करने के लिए कई तकनीकों के साथ–साथ विनियामक तंत्र की सुविधा विकसित हुई है।

इस कार्यशाला में एनसीसीबीएम द्वारा कंक्रीट में फ्लाई ऐश एंड सी एंड डी अपशिष्ट का उपयोग, आईआईटी बम्बई द्वारा रेलवे तटबंध में स्ट्रक्चरल–फिल के रूप में फ्लाई एश अनुप्रयोग, सीएसआईआर–एएमपीआरआई, भोपाल द्वारा बुनियादी ढांचे के विकास के लिए फ्लाई ऐश आधारित उन्नत जियोपोलीमर कंक्रीट का उपयोग आदि, तकनीकी आलेख शामिल रहे।